Title: Need to provide immediate relief to the victims of communal clashes in Guairat.

SHRI E. AHAMED: Sir, the hon. Prime Minister had given an assurance in this House that relief work would be taken up. ...(Interruptions) So far, nothing has been done. ...(Interruptions) My only request is that there should be a package of the relief work. ...(Interruptions) Sir, the hon. Members from Gujarat have spoken about the situation there. ...(Interruptions) I do not want to refer to all those details. … (Interruptions) But I only want to say, Mr. Deputy-Speaker, Sir, that the hon. Prime Minister had given an assurance in this House and had categorically stated that there would be a committee under the Chairmanship of Governor and there would be …. ...(Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, हमने जो एडजर्नमेंट मोशन संसदीय कार्य मंत्री को, महासचिव को दिया है, उसका क्या हुआ?…(<u>व्यवधान</u>) महोदय, हमने प्र ाश्न-काल के शुरू में ही यह प्रश्न उठाया था।…(<u>व्यवधान</u>)

उपाध्यक्ष महोदय : रघृवंश जी, एडजर्नमेंट मोशन आपका गुजरात के ऊपर था, आपको एसोसिएट किया जाता है।

… (<u>व्यवधान</u>)

SHRI E. AHAMED: I would like to make only one request that everybody should get the help and that is very important. The magnitude of the problem of the victims of violence is such that they had not been given any relief, except rice and wheat flour.

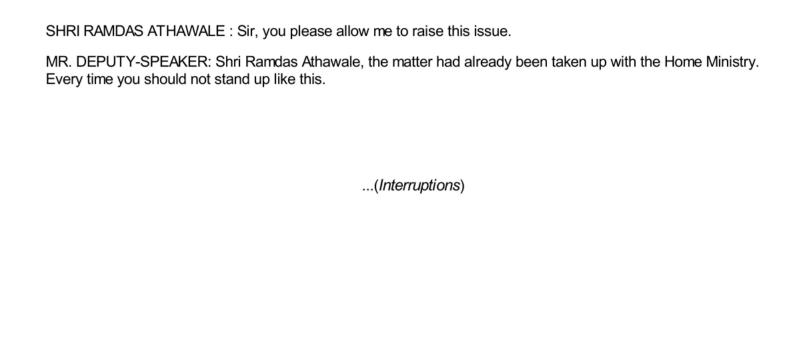
MR. DEPUTY-SPEAKER: I have allowed you to associate yourself on this issue. He has given the Adjournment Motion Notice on the Gujarat issue.

...(Interruptions)

SHRI E. AHAMED: My only humble submission is that providing relief is most important. They are really in a miserable and pathetic condition. My only request to the Government, through you, Sir, is that they should provide immediate relief to them....(Interruptions)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष जी, मुझे थ्रैटनिंग का पत्र आया है।… (व्यवधान)

डॉ. रघ्वंश प्रसाद र्सिह: होम-मिनिस्टर साहब ने कहा था कि गुजरात में दंगे नियंत्रित हो गये हैं… (व्यवधान)



डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष जी, गुजरात में दंगाइयों पर कार्रवाई नहीं हो रही है।…(<u>व्यवधान</u>) संसदीय कार्य मंत्री जी ने कुछ लोगों को सिखाकर भेजा कि दंगे का इश्यू न उठाने दिया जाए।…(<u>व्यवधान</u>) जब तक दंगाइयों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक देश में शांति नहीं होगी…(<u>व्यवधान</u>)

देश नहीं बचेगा।…(<u>व्यवधान</u>) इसलिए कृपा करके प्रधान मंत्री जी को बुलाने का निर्देश दिया जाए जिन्होंने कहा था कि गुजरात के दंगे हिंदुस्तान के माथे पर कलंक हैं।…(<u>व्यवधान</u>) दंगाइयों के समर्थक यहां मौजूद हैं।…(<u>व्यवधान</u>) ये इतने महत्व के सवाल को उठाने नहीं देते हैं और उठकर खड़े हो जाते हैं।…(<u>व्यवधान</u>)

गुजरात में दंगाइयों को छूट दे दी गयी है।…(<u>व्यवधान</u>) गुजरात में एक-तरफा कार्रवाई हो रही है। …(<u>व्यवधान</u>) हम पोटो की खिलाफत कर रहे हैं।…(<u>व्यवधान</u>)

12.59 hrs.